17/12/17

Greenlawns School - Worli

Final Examination - 2016 -2017

कक्षा :- आठवीं

विषय :- हिंदी

पूर्णांक :- 80

दिनांक :- 17/12/17

समय :- 2½ घण्टे

सूचना :-
1. इस प्रश्न पत्र के दो भाग हैं ।
2. भाग " अ " के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य हैं ।
3. भाग " ब " के उत्तर वहाँ दी गई सूचना के अनुसार लिखिए ।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्रश्न 1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :- (15)

i. अपने विद्यालय में होने वाले खेलकूद दिवस में आपके यहाँ कौन - कौन सी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है ? इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों को क्या लाभ मिल सकते हैं ?

ii. स्वप्न देखना मानव की सहज प्रवृत्ति है । आप जीवन में कभी - कभी ऐसे स्वप्न देखते हैं, जिन्हें आप भूला नहीं सकते । आप अपने किसी ऐसे स्वप्न का वर्णन कीजिए, जिसे आप नहीं भूला पाए हों ।

iii. एक वैज्ञानिक की आत्मकथा ।

iv. " बोया पेड़ बबूल का आम कहाँ से पाए । " इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए ।

v. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर कोई घटना, कहानी या लेख लिखिए, पर ध्यान रहे विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए ।

इस प्रश्न पत्र के पृष्ठों की संख्या 7 है ।

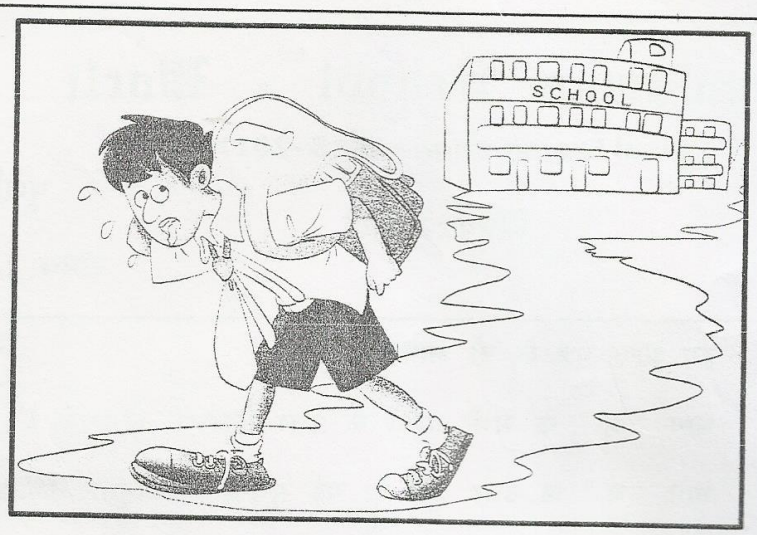

प्रश्न 2) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :- (7)

i. अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें छात्रावास में रहते हुए आपके दैनिक कार्यक्रम का वर्णन हो। यह भी बताइए कि छात्रावास में रहने के क्या लाभ हैं।

अथवा

ii. आपने अंतर्विद्यालय प्रतियोगिता में कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं। धन्यवाद हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्या जी को पत्र लिखिए ।

प्रश्न 3) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :- (10)

खालसा पंथ की स्थापना की कहानी बड़ी रोमांचकारी है। सन् १६९९ में वैशाखी के दिन गुरु गोबिंद सिंह ने आनंदपुर के समीप केसगढ़ में एक वृहत् दरबार का आयोजन किया, जिसमें दूर - दूर से आए हुए उनके बहुत से शिष्य सम्मिलित हुए। वातावरण में बड़ी निराशा और चिंता थी। सभी सिक्ख गुरु के आने की बड़ी उत्कंठा से प्रतीक्षा कर रहे थे। इतने में नंगी तलवार लिए वीरवेश में गुरु गोबिंद सिंह आ उपस्थित हुए। उनके मुख - मंडल पर अपूर्व तेज़ था। तलवार को घुमाते हुए वे कड़क कर बोले,

" आप जानते हैं कि हम आज यहाँ क्यों एकत्र हुए हैं। हम पर जो अत्याचार हो रहे हैं, उनसे आप भली - भाँति परिचित हैं। सहने की भी एक सीमा होती है। अब समय आ गया है कि हम डटकर इन अत्याचारों का सामना करें। इसके लिए बलिदान करने होंगे। बोलो, अपना शीश अर्पित करने के लिए कौन प्रस्तुत हैं ? "

यह सुनकर सारी सभा स्तब्ध रह गई और चारों ओर सन्नाटा छा गया। अंत में दयाराम नाम का एक व्यक्ति उठकर खड़ा हुआ और गुरु के चरणों में नतमस्तक होकर बोला, " गुरु जी ! मेरा सिर सेवा में अर्पित है "। गुरु गोबिन्द सिंह उस व्यक्ति को पास के खेमे में ले गये। थोड़ी देर में " खच " की आवाज हुई और खेमे की नाली से रक्त की धारा बह निकली। रक्त - रंजित तलवार लेकर गुरु जी ने फिर दरबार के सामने बलिदान का वही आह्वान दोहराया। एक और वीर आगे बढ़ा। गुरु जी उसको भी खेमे के भीतर ले गये और रक्त की धारा फिर बाहर आई। इस प्रकार गुरु जी ने पाँच वीर छाँटे।

वीरों के बलिदान से सभा आतंकित थी पर लोगों के आश्चर्य की सीमा न रही जब उन्होंने देखा कि गुरु जी उन पाँचों वीरों के साथ खेमे से बाहर आ रहे हैं। गुरु जी ने उन्हें सुसज्जित कर रखा था। उन वीरों के मुख - मंडल पर अपूर्व तेज था। उन्हें देख कर सभा जय - जय कार करने लगी। गुरु जी ने पाँचों वीरों को अपने पास बिठाकर घोषणा की कि मुझ पाँच सच्चे वीर मिल गए हैं। गुरु ने इन पाँचा वीरों को " पंज - प्यारे " के नाम से संबोधित किया और उनको " खंडे का अमृत " पिला कर दीक्षा दी और कहा, " तुममें ऊँचे - नीच का कोई भेद नहीं, मुझमें और तुममें भी कोई अंतर नहीं। तुम केश, कच्छा, कड़ा, कंघा और कृपाण धारण करना और धर्म के लिए मर मिटने को तत्पर रहना। " उन्होंने उनसे " वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतह " कहलाया और अपने धर्म का नाम " खालसा " रखा। तत्पश्चात् गुरु ने इन " पंज - प्यारों " से स्वयं दीक्षा ली और अमृतपान किया। इस प्रकार गुरु को खालसा तथा खालसों

को ही गुरु बना कर उन्होंने हमारे सामने " आपे गुरु चेला " का अलौकिक आदर्श उपस्थित किया ।

प्रश्न :-

i. गुरु गोबिंद सिंह ने दरबार का आयोजन कब किया और क्यों ? (2)

ii. उन्होंने सभा में आकर क्या कहा ? (2)

iii. सभा के आतंकित होने का क्या कारण था ? (2)

iv. गुरु गोबिंद सिंह ने " पंज - प्यारो " को किस प्रकार दीक्षा दी ? (2)

v. गुरु ने क्या अलौकिक आदर्श स्थापित किया ? (2)

प्रश्न 4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- (8)

i. निम्न शब्दों में किसी एक शब्द के दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (1)

1. शक्ति 2. सुंदर

ii. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (1)

1. वरदान 2. विस्तार

iii. निम्न शब्दों के सिर्फ तत्सम शब्द लिखिए :- (1)

1. नाक 2. अम्मा

iv. शुद्ध शब्द लिखिए :- (1)

1. छेत्र 2. नमश्कार

v. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (1)

1. राई का पहाड़ बनाना - 2. हवा का रुख पहचानना

vi. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन करके उन्हें दोबारा लिखिए :- (3)

1. साहित्य और समाज का घोर संबंध है ।
(वाक्य शुद्ध कीजिए ।)

2. मैं उसे देखना चाहता हूँ ।
(भविष्यत् काल में लिखिए)

3. फिल्म की नायिका अच्छी नर्तकी भी है । Please underline the words to be changed

(रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य को दुबारा लिखिए ।)

विभाग - ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग (गद्य - विभाग)

सूचना :- नीचे लिखें अवतरणों को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रश्न ५ , ६ अनिवार्य है । शेष प्रश्नों (प्रश्न ७ , ८ , ९) में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । इस पुस्तक के कुल चार प्रश्न करने हैं । बाल महाभारत के प्रश्न अनिवार्य हैं ।

प्रश्न 5) नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए :- (2)

i. परिमल ii. कर्तव्यपरायण

iii. प्रबल iv. गोदान

प्रश्न 6) नीचे लिखी कविता की पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (10)

यहाँ कोकिला नहीं , काक हैं शोर मचाते ।
काले - काले कीट , भ्रमर कर भ्रम उपजाते ।
कलियाँ भी अधखिली, मिली हैं कंटक - कुल से ।
वे पौधे , वे पुष्प , शुष्क हैं अथवा झुल से ।।
परिमल - हीन पराग दाग - सा बना पड़ा है ।
हा ! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है ।

प्रश्न :-

i. कविता में कवयित्री ने बसंत को धीरे से आने के लिए क्यों कहा है ? (2)

ii. प्रस्तुत पंक्तियों का संदर्भ लिखिए । (2)

iii. उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ लिखिए । (3)

iv. कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए । (3)

प्रश्न 7) कर्तव्य का विचार प्रत्येक साहसी मनुष्य में होना चाहिए। कर्तव्य परायण व्यक्ति के हृदय में यह बात अवश्य उत्पन्न होनी चाहिए कि जो कुछ मैंने किया, वह केवल अपना कर्तव्य किया।

प्रश्न :-

i. साहस के बिना क्या नहीं हो सकता तथा साहस के कारण हृदय में कौन बसे हैं? (2)

ii. साहस का मनुष्य के जीवन में क्या महत्त्व है? (2)

iii. मध्यम श्रेणी का साहस किसे कहेंगे? उसे उदाहरण देकर बताइए। (3)

iv. बुद्धन सिंह कौन था? उसमें कर्तव्यपरायण कूट-कूट कर भरा था? इस बात को स्पष्ट कीजिए। (3)

प्रश्न 8) मैं भारत के कर्णधारों से यही कहना चाहता हूँ कि किसी भी युवक को भविष्य से घबराने की आवश्यकता नहीं है, अगर उसने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है।

प्रश्न :-

i. १९८३ में विकसित चार मिसाइल परियोजनाओं के नाम लिखिए। (2)

ii. युवकों के लिए डॉ. कलाम का क्या संदेश है? (2)

iii. डॉ. कलाम के जीवन की दिशा कैसे और किस घटना से बदल गई? (3)

iv. कलाम के चरित्र की विशेषताएँ बताइए। (3)

प्रश्न 9) रात को तुलसी लेटे तो वह पुरानी बात याद आई, जब रामू के जन्मोत्सव में उन्होंने रुपए कर्ज़ लेकर जलसा किया था, और सुभागी पैदा हुई, तो घर में रुपए रहते हुए भी उन्होंने एक कौड़ी ख़र्च न की।

प्रश्न :-

i. सारा गाँव सुभागी की बड़ाई क्यों करता था? (2)

ii. लेखक ने 'सुभागी' कहानी किस उद्देश्य से लिखी होगी? इस कहानी के माध्यम से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? (2)

iii. तुलसी ने अपनी दोनों संतानों के जन्मोत्सव कैसे मनाए और अंत समय में क्या महसूस किया? (3)

iv. सुभागी का नाम उसके चरित्र को कितना सार्थक करता है ? अपने शब्दों में लिखिए । (3)

" बाल - महाभारत "

प्रश्न 10) निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए :- (8)

i. अश्वत्थामा ने अपने मित्र और पिता की मृत्यु का बदला कैसे लिया ? (2)

ii. कृष्ण ने अर्जुन को अपने कर्तव्यपालन के लिए क्या उपदेश दिया ? यह उपदेश किस नाम से प्रसिद्ध है ? (2)

iii. कृष्ण ने धृतराष्ट्र से भीम की रक्षा कैसे की ? (2)

iv. उन दिनों युद्ध के क्या नियम थे ? (2)

---------- स मा प्त ----------